1996 Israel Award

1997 Israel Award

डॉ. मिश्रा जग प्रसिद्ध एक जमीन (मृदा) वैज्ञानिक तथा कृषी सलाहकार है । ईजीप्त, घाना, मलेशीया, बांग्लादेश, इजरायेल जैसे विदेशो में कृषि सलाहकार तथा महाराष्ट्र में बहुत से चीनी मिलो के कृषि सलाहकार के रुप में तथा इन्डो-इजरायेल एग्रोटेक लिमिटेड, राजदीप केमिकल्स एन्ड फर्टीलाइझर्स लिमिटेड, डॉ. मिश्रा फर्टीलाईझर्स एन्ड केमिकल्स, प्रोपाइटर, डॉ. मिश्रा आर्गेनिक फार्मींग सर्टीफिकेशन एजन्सी प्रा. लिमिटेड, (वडोदरा) में शोध विकास विभाग प्रमुख के रुप में कार्यरत है । डॉ. मिश्रा का दूरदर्शन केन्द्र - दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, मुंबई से कृषि सलाहकार के रुप में १८०० बार कार्यक्रम प्रसारित हो चुका है । डॉ. मिश्रा को इजरायेल सरकार द्वारा वर्ष १९९६ तथा वर्ष १९९७ में दो बार विशिष्ठ अेवोर्ड मिला हुआ है । डॉ. मिश्राने गन्ना की खेती में नयी खोज कि है जिसे डॉ. मिश्रा झिग-झेग पट्टा पद्धति के रुप में जाना जाता है । टमाटर की खेती में टेलीफोन पद्धति की खोज उनकी देन है ।

फसल : आलू / सकरकंद / हल्दी / सल्जम / अदरक

बुबाई करने के पहले

- फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद (सिटी कम्पोस्ट) या फर्टोनिक - फॉस्फेट रिच सेन्द्रीय खाद (प्रोम) पाउडर - 300 kg + 40 kg फर्टीवार्म +ईकोकार्ट - 200 kg तथा 3 kg फर्टोमीटोड + मोफका सेन्द्रिय पोटाश - 15 Kg को मिला कर कतार वाली फसलों के खेत में भुरकाव कर मिट्टी में मिश्रित करें ।
- मोफका दानेदार एन.पी.के 12:32:16 या 20:20:00 - 300 kg + ईकोफार्ट - 100 kg तथा 20 kg माइक्रो-फर्ट + जिंक सल्फेट 33% -(मोफका जिंक B ग्रेड) मिलाकर प्रति एकर के मान से खेत की जुताई या मिट्टी में दो कतारों के बीचमें मिलवा दें ।

अंकुरण के २० दिन बाद :

- फर्टोनिक - 200 (रुट बायो केमिकल्स 50 ml) + 50 ml फर्टोनिक - 1000 (स्ट्रेंथ बायोकेमिकल्स - 50 ml) + 15 ml - फर्टीस्टीको + नीमाडोल - 50 ml का अच्छी प्रकार से मिलाकर प्रति सीकर पंप के मान से पौधों पर अच्छी तरह से पहला छिडकाव करें ।
- उपरोक्त छिडकाव के 12 दिन बाद फर्टोनिक - 200 + फर्टोनिक - 1000 - 50 ml + फर्टीस्टीको - + नीमाडोल - 50 ml का अच्छी तरह से घोल बनाकर पूरी फसल पर दूसरा छिडकाव करें ।
- उपरोक्त छिडकाव के 12 दिन बाद फर्टोनिक - 200 +फर्टोनिक - 1000 + फर्टीस्टीको + नीमाडोल - 50 ml को अच्छी तरह से घोल बनाकर तीसरी बार छिडकाव करें, तथा तीसरी बार के बने अनुपात में फर्टोनिक बी सी - 900 - 50 ml मिलाकर चौथी छिडकाव कर इसी अनुपात को फसल कटने तक हर 20 दिन में इसी तरीके से लगातार छिडकाव करे ।
- सेन्ट्रल पोटाटो रीसर्च इंस्टीटयुट शिमला द्वारा प्रमाणित किया गया है की फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद का उपयोग करने से जमीन में बचा हुआ फोस्फोरस तथा पोटास का इन ओर्गेनिक रासायनिक घटक को ओर्गेनिक घटकोमे रुपान्तीत होने से तथा पौधो को मिल जाने से आलू के उत्पादन मे४० % की वृद्धि के साथ संग्रह क्षमता में बढोतरी प्राप्त हुआ है ।

डॉ. ऐ. के. मिश्रा
(M.Sc. Agri, Ph.D. Soil Science)
प्रमुख - शोध विकास विभाग